3121

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे **अधिकतम अंक : 50**

नोट : निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।

1. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। [10]

2. दलित चिंतन के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। [10]

3. दलित साहित्य के विकास में प्रेमचन्द के योगदान पर प्रकाश डालिए। [10]

4. "दलित साहित्य के केन्द्र में बौद्ध दर्शन है।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए। [10]

5. महात्मा ज्योतिबा फुले की मूल निवासी की धारणा पर प्रकाश डालिए। [10]

6. बाबा साहेब की विचारधारा ने दलित साहित्य में स्त्री समस्या को किस प्रकार प्रभावित किया है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [10]

7. दलित साहित्य के अखिल भारतीय स्वरूप पर विचार कीजिए। [10]

8. नारायण गुरू द्वारा स्थापित 'धर्म परिपालमयोगम' संस्था का सामाजिक चेतना में क्या योगदान रहा ? स्पष्ट कीजिए। [10]

9. दलित साहित्य के सौन्दर्यशास्त्रीय प्रतिमानों पर प्रकाश डालिए। [10]

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : [2x5=10]

(क) अछूत की शिकायत

(ख) महाड़ सत्याग्रह

(ग) सावित्रीबाई फुले

(घ) दलित साहित्य में प्रकृति

----- x -----